अंतिम मुलाकात की गूंज

कहानी

मयंक सक्सेना

तीन साल पहले एक सड़क दुर्घटना में उसके माता-पिता का निधन हो चुका था, और अब घर में उसकी एक छोटी बहन प्रतिज्ञा थी. परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वह सुबह अखबार बांटता, दिन में काम करता और रात को पढ़ाई करता था.

श्लोक एक होनहार और मेहनती युवक था, जो शहर के प्रतिष्ठित कॉलेज में एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था. उसने अखिल भारतीय विधि प्रवेश परीक्षा में पूरे देश में पहली रैंक हासिल की थी. तीन साल पहले एक सड़क दुर्घटना में उसके माता-पिता का निधन हो चुका था, और अब घर में उसकी एक छोटी बहन प्रतिज्ञा थी. परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वह सुबह अखबार बांटता, दिन में काम करता और रात को पढ़ाई करता था. उसके दिवंगत पिता उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे.

एक दिन अखबार बांटते समय श्लोक श्याम बाबू के घर पहुंचा. दरवाजा खोलने वाली उनकी बेटी प्रिया को देखते ही श्लोक कुछ पल के लिए ठहर गया. प्रिया को उसका यह देखना नागवार गुजरा और वह नाराज होकर दरवाजा बंद कर अंदर चली गई. अगले दिन कॉलेज में प्रिया ने अपनी दोस्त प्रीति से श्लोक के बारे में शिकायत की कि यह वही अखबार वाला है जो उसे घूर रहा था.

लेक्चर खत्म होने के बाद श्लोक ने प्रिया से दोस्ती करने की पहल करनी चाही, लेकिन प्रिया ने इसे अपना पीछा करना समझ लिया और गुस्से में आकर श्लोक को थप्पड़ मार दिया. उसने धमकी दी कि उसके पिता कॉलेज के ट्रस्टी और बड़े नेता हैं, इसलिए दोबारा पीछा करने पर अंजाम बुरा होगा।

अगली सुबह जब प्रिया ने दरवाजा खोला, तो अखबार कोई और लड़का दे रहा था. अखबार के मुख्य पृष्ठ पर श्लोक का इंटरव्यू छपा था, जिसे पढ़कर उसे पता चला कि वह कोई साधारण अखबार वाला नहीं, बल्कि विधि प्रवेश परीक्षा का टॉपर है, जिसे प्रधानमंत्री तक ने शुभकामनाएं दी थीं. श्लोक के संघर्ष को जानकर उसे अपनी गलती का गहरा अहसास हुआ.



प्रिया ने कॉलेज में श्लोक से माफी मांगी और दोस्ती का हाथ बढ़ाया. धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई. एक दिन प्रिया ने श्लोक से अपने प्यार का इजहार कर दिया. श्लोक ने जब उसके पिता की रजामंदी के बारे में पूछा, तो प्रिया ने घर पर बात करने का वादा किया. प्रिया के पिता, आलोक मेहता ने श्लोक का नाम सुनते ही तुरंत रिश्ता मंजूर कर लिया. उन्होंने बताया कि मुश्किल वक्त में श्लोक के पिता ने उनकी बड़ी मदद की थी.

प्रिया ने अगले दिन श्लोक को अपने घर बुला लिया. श्लोक प्रिया के घर पहुंच गया. दोनों बेहद खुश थे. तभी प्रिया की मां सुनैना घबराते हुए कमरे में आईं और बताया कि आगरा-भोपाल सुपरफास्ट ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें सवार सभी यात्रियों की मौत हो चुकी है. यह सुनकर प्रिया चौंककर बोली, 'लेकिन मां, श्लोक तो मेरे कमरे में है' वह दौड़कर कमरे में गई, लेकिन वहां कोई नहीं था. तभी उसे श्लोक की वह बात याद आई— 'मैं आऊं या न आऊं, जब भी महसूस करोगी, मुझे अपने पास पाओगी.' प्रिया फूट-फूटकर रोने लगी. श्लोक इस दुनिया में नहीं था, लेकिन उसकी यादें हमेशा के लिए प्रिया के दिल में बस गईं. यह साबित हो गया कि कुछ प्रेम कहानियां मिलन की मोहताज नहीं होतीं.

गौ-संवर्धन बन रहा ग्रामीण विकास का आधार



राजेन्द्र शुक्ल

गोवर्धन पूजा हमारी सनातन संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, गौ-माता के प्रति श्रद्धा और समस्त जीव-जगत के संरक्षण का संदेश देता है. भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला हमें सिखाती है कि प्रकृति, पर्वत, जल, वनस्पति और गौवंश का संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व और समृद्धि के लिए अनिवार्य है. यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व और समाज के सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है.

भारत की संस्कृति में गौ-माता को विशेष स्थान प्राप्त है. हमारी कृषिव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण और सामाजिक जीवन में गौवंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केनेतृत्व में आज देश अपनी इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक विकास की अवधारणा के साथ जोड़कर आगे बढ़ रहा है. प्रधानमंत्री का विजन है कि गांव आत्मनिर्भर बनें, किसान समृद्ध हों, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो और अपशिष्ट भी आर्थिक संपदा में परिवर्तित हो. गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और गोबर से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन इसी व्यापक दृष्टिकोण के महत्वपूर्ण आयाम हैं.

किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई



प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की पहल और गोबर-धन जैसी योजनाएं इस सोच को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान कर रही हैं. गोबर-धन के माध्यम से गोबर एवं अन्य जैविक अपशिष्ट से बायोगैस और कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है. इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ जैविक खाद का उत्पादन, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं.

वेस्ट-टू-वेल्थ मोदी का नया कदम

अगस्त 2026 में केंद्र सरकार द्वारा 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली राष्ट्रीय सर्कुलर बायोएनर्जी योजना को स्वीकृति दिया जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. यह प्रधानमंत्री के वेस्ट-टू-वेल्थ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और गति प्रदान करेगा. मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़कर आगे बढ़ा रही है. प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया. गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन की गई है. गौवंश के भरण-पोषण के लिए बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है. पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं को डीबीटी के माध्यम से सीधे अनुदानराशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गौवंश के लिए चारा, आहार, देखभाल और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके.

केंद्रीय मंत्री शाह का गौवंश वन्य विहार अवलोकन

प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गौशालाएं केवल निराश्रित गौवंश को आश्रय देने तक सीमित न रहें, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और ग्रामीण रोजगार के केंद्र भी बनें. गोबर से जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गो-काष्ठ, उपले तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने से गौशालाओं की आय बढ़ सकती है. गोबर और गोमूत्र आधारित प्राकृतिक खेती से खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के अवसर उपलब्ध होते हैं. इस प्रकार गौ-संवर्धन किसान, पशुपालक, महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीण उद्यमियों के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन सकता है. गत 25 दिसंबर 2025 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का रीवा स्थित बसामन मामा गोवंश वन्य विहार में आगमन हमारे लिए विशेष गौरव का विषय रहा. मंत्री शाह ने गौवंश वन्य विहारका अवलोकन किया तथा गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के प्रयासों की जानकारी प्राप्त की. इस अवसर पर उन्होंने बसामन मामा गोवंश वन्यविहार को प्राकृतिक खेती के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को समृद्ध बनाने का सफल प्रयोग बताया. उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी, पानी का संरक्षण होगा और लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद मिलेगी. उन्होंने पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान भी किया. उनका यह वक्तव्य हमारे लिए मार्गदर्शक है.

गौवंश संरक्षण और किसानों की समृद्धि एक-दूसरे के पूरक

बसामन मामा में विकसित हो रहा मॉडल यह प्रमाणित करता है कि गौवंश का संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं. इस क्षेत्र को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करने का प्रयास है, जहां गौशाला से प्राप्त संसाधनों का उपयोग कृषि, उद्यानिकी, जैविक खाद और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में किया जा सके.

आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी गौ-सेवा, गौ-संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लें. प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए हम सभी मिलकर कार्य करें. गौ-सेवा में संस्कृति का संरक्षण है, प्रकृति के सम्मान में मानवता का कल्याण है. सभी प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं.

(लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

म.प्र. सरकार गौ-सरंक्षण को लेकर संकल्पित

राज्य सरकार का संकल्प है कि मध्यप्रदेश में गौवंश को निराश्रित छोड़ने की समस्या का स्थायी समाधान हो. इसके लिए गौशालाओं की क्षमता बढ़ाने, चारे की उपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं, बेहतर प्रबंधन औरआर्थिक आत्मनिर्भरता पर ध्यान दिया जा रहा है. साथ ही गौपालन को किसानों की अतिरिक्त आय का माध्यम बनाने, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादनऔर पशुपालन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं. गोवर्धन पूजा हमें यह स्मरण कराती है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता भी है. गौ-माता की सेवा, गौवंशका संरक्षण, प्राकृतिक खेती और जैविक संसाधनों का सदुपयोग हमारे भविष्य को सुरक्षित बनाने के महत्वपूर्ण आधार हैं.

विनम्रता ही मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण



डॉ. मुकेश नायक

स्वामी तुलसीदास का साहित्य केवल धार्मिक आस्था और भक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें मानव जीवन को सही दिशा देने वाला गहन दर्शन समाहित है. उन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से मर्यादा, विनम्रता, प्रेम, करुणा और सदाचरण का संदेश दिया है. तुलसीदास के दर्शन के अनुसार मनुष्य की वास्तविक महानता उसके धन, पद, शक्ति या सामाजिक प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके चरित्र और व्यवहार से निर्धारित होती है. अहंकार ऐसी कमजोरी है, जो धीरे-धीरे मनुष्य के विवेक, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों को नष्ट कर देती है.

सफलता, संपत्ति, ज्ञान और सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ अक्सर अहंकार भी जन्म लेने लगता है. जब व्यक्ति स्वयं को दूसरों से अधिक योग्य, बुद्धिमान या प्रभावशाली समझने लगता है, तब वह दूसरों के विचारों और भावनाओं का सम्मान करना छोड़ देता है. वह अपनी गलतियां स्वीकारने के बजाय उन्हें उचित ठहराने लगता है और दूसरों की सलाह को महत्व नहीं देता. यही प्रवृत्ति अंततः उसके पतन का कारण बन सकती है.

तुलसीदास ने भगवान श्रीराम के चरित्र के माध्यम से विनम्रता का आदर्श प्रस्तुत किया है. अपार शक्ति, अधिकार और राजसी वैभव के बावजूद श्रीराम ने कभी अहंकार प्रदर्शित नहीं किया. उन्होंने अपने से छोटे और कम सामर्थ्यवान लोगों को भी सम्मान दिया. निषादराज से मित्रता, शबरी की भक्ति को स्वीकार करना, हनुमान के प्रति स्नेह और सुग्रीव के साथ मित्रता उनके विनम्र एवं मानवीय व्यक्तित्व को दर्शाती है. तुलसीदास की रामचरितमानस की प्रसिद्ध चौपाई है—

'सिय राममय सब जग जानी।
करउँ प्रनाम जोरि जुग पानी॥'

इस चौपाई का गहरा संदेश यह है कि संपूर्ण संसार में भगवान श्रीराम का स्वरूप व्याप्त है. जब मनुष्य प्रत्येक जीव में ईश्वर का अंश देखने लगता है, तब उसके भीतर घृणा, अपमान और अहंकार की भावना स्वतः कम होने लगती है. वह किसी को अपने से छोटा या तुच्छ समझने के बजाय सभी का सम्मान करना सीखता है.

तुलसीदास का दर्शन हमें याद दिलाता है कि मनुष्य की पहचान उसके पास मौजूद संपत्ति, अधिकारों या प्रभाव से नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति उसके व्यवहार से होती है., विनम्रता का अर्थ अपनी प्रतिभा, अधिकार या आत्मसम्मान का त्याग करना नहीं है. इसका अर्थ है अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखते हुए दूसरों की योग्यताओं का भी सम्मान करना.



विनम्रता परिवार में रिश्तों को मजबूत करती है, कार्यस्थलों पर सहयोग और विश्वास बढ़ाती है तथा समाज में समानता, भाईचारे और सद्भाव को प्रोत्साहित करती है. नेतृत्व के क्षेत्र में भी विनम्रता व्यक्ति को दूसरों की बात सुनने, उनकी समस्याओं को समझने और संवेदनशीलता के साथ समाधान खोजने की क्षमता प्रदान करती है .इसीलिए तुलसीदास का दर्शन सदियों बाद भी उतना ही प्रासंगिक है. प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में सफलता और प्रगति का प्रयास करना चाहिए, लेकिन उपलब्धियों के साथ विनम्रता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है.

क्लास बाय बड़े भाई

आप अपने काम से पहचाने जाते हैं



एक बार दीपक की लौ और जंगल को जलाती आग आमने सामने आ गयी. दीपक ने बड़ी सौम्यता से उस विशाल आग की विशालता को देखा. विशाल आग की भी नज़र इस छोटे से दीपक पर पड़ी. उसको अपनी विशालता पर बड़ा अभिमान था. दीपक की छोटी सी लौ देखकर उसे हंसी आ गई.

उसने हंसते हुए दीपक से कहा - 'देखो, जो तुम हो, वही मैं भी हूं लेकिन मुझे देखो, मुझे देखकर सब किस तरह डर कर भाग जाते हैं, मेरे आगे कोई टिकता नहीं और एक तुम हो कि... यह कहकर विशाल आग और ज़ोर से हंसने लगी. दीपक उसके इस अभिमान भरे अट्टहास को सुनता रहा. फिर बड़ी मधुरता से उत्तर में कहा - 'हां, सच कह रही हो, तुमसे लोग सच में डरते हैं लेकिन लोग मुझसे भी डरते हैं. बस, डरने डरने में अंतर है. लोग मुझसे डरते हैं कि कहीं मैं बुझ न जाऊं और तुमसे लोग डरते हैं कि कहीं वो न जल जाएं. लोग मुझे बड़े प्यार से सहेजते हैं और मेरे प्रज्वलित होते ही माथा टेकते हैं लेकिन तुम्हारे आने को लोग कोसते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि तुम न आओ.

हां मैं तुम्हारी विशालता के आगे कुछ नहीं लेकिन मैं घर को रौशन करती हूं लेकिन तुम घरों, जंगलों, जीव जंतुओं को जलाती हो.यह सुनकर, विशाल आग के मुंह से,एक शब्द न बोला जा सका. वो चुप रह गई. पहली बार उसने अपनी विशालता को बहुत छोटा पाया था.छोटे भाई, हमारा काम हमें महान और छोटा बनाता है दूसरा कुछ नहीं. रामसेतु में गिलहरी का काम शायद न के बराबर था लेकिन उसने अपनी क्षमता का उपयोग निर्माण में किया था, विनाश में नहीं. इसीलिए आज भी उसकी कीर्ति है. धन्यवाद



संदीप द्विवेदी

(लेखक प्रेरक वक्ता एवं सॉफ्ट स्किल ट्रैनर हैं)

राशिफल

08 से 14 नवम्बर 2026 तक



पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास
ज्योतिषाचार्य
कोतवाली बाजार, जबलपुर
मो.नं. 09826621998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य तुला राशि में, मंगल कर्क राशि में ता. 12 को 7/10 रात से सिंह राशि में, वक्री बुध तुला राशि में ता. 14 को 9/57 दिन से मार्गी, गुरु सिंह राशि में, वक्री शुक्र कन्या राशि में ता. 14 को 7/20 रात से मार्गी, वक्री शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा तुला वृश्चिक धनु और मकर राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :- ता. 12 को सिंहे मघा भौम के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, लोहा, पीतल, गुड, खाण्ड, शक्कर, रूई, लाल मिर्च, अलसी, लाल वस्त्र में तेजी आती है. ता. 14 को बुध शुक्र मार्गी के प्रभाव से घी, शक्कर, अलसी में तेजी, रूई, चांदी, चावल में मंदी आती है.



पर्व-व्रत-त्योहार

रविवार	08 नवम्बर को	मतांतरे नरक चौदस, दीपावली, श्री महालक्ष्मी कुबेर पूजन, स्नानदान श्राद्ध अमावस्या,
मंगलवार	10 नवम्बर को	बलि पूजा, गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा, यम द्वितीया,
शुक्रवार	13 नवम्बर को	विनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, दूर्वा गणपति व्रत, छठ व्रत नियम प्रारंभ,
शनिवार	14 नवम्बर को	पाण्डव पंचमी,

मेष : इस सप्ताह आपको नई नौकरी मिल सकती है, व्यापार के सिलसिले में सार्थक यात्रा का योग बन रहा है, आपके करीबी रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा, उन पर धन व्यय होगा,बिखरे कार्य समेटने का प्रयास करेंगे, संपत्ति के कार्यों में खर्चहोगा, जानबूझकर की गई गलती की क्षमा मांगने में ही हित रहेगा. सप्ताहान्त में पारिवारिक सुखद योजना पर विचार होगा.

वृषभ : इस सप्ताह आपको उतार चढ़ाव का सामना करना पड़सकता है, कड़ीमेहनत करने पर ही सफलता मिलेगी, आप मानसिक अवसाद में रहेंगे, किसी विवाद के चलते आप के मन में नकारात्मक विचार आते रहेंगे,पूज्य व्यक्ति की सलाह एवं अधिनस्थों का सहयोग आपको लाभकारी रहेगा, व्यवसायिक यात्रा में सावधानी रखें, उठाईगीरों से नुकसान हो सकता है.

मिथुन : इस सप्ताह प्रतिस्पर्धा के दौर में किस्मत और मेहनत आपको भरपूर लाभ देगा. आपकी मनोकामना पूरी होगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. दाम्पत्य जीवन में तनाव की संभावना है. भाईयों के बीच जमिथुन जायजाद का बटवारा हो सकता है, वाद विवादसे दूर रहें. व्यापारिक यात्रा के अच्छेपरिणाम मिलेंगे. भावनात्मक संबंधों की मजबूती आपको आंतरिक खुशी देगी.

कर्क : इस सप्ताह आप खुशी के समाचार सुनेंगे. परिवार की सुख सुविधाओं पर ध्यान दें. आयात निर्यात के बड़े व्यवसाय में लाभ होगा. बेरोजगारों को रोजगार मिलेंगे. प्रापर्टी संबंधी विवाद हल होगा, सप्ताहान्त के अंत में आपके निकटस्थ विरोधी नई मुसीबतों को खड़ी कर सकते हैं, जिसका शुभ एवं शीघ्र समाधान प्राप्त होगा, कामकाजी महिला को परेशानी हो सकती है.

सिंह : इस सप्ताह आपकी महत्वाकांक्षा चरम सीमा पर रहेगी, अपनी बुद्धिमानी इच्छा शक्ति के लिये आपको भाग्य पर निर्भर रहना पड़ेगा. अपना विवेक कार्य में लगायें, आप भविष्य की योजना बनायेंगे. महिला जाति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. अचानक लाभ का योग है. यात्रायें आशाजनक रहेंगी, किन्तु उठाईगीरों से सावधानी बांछनीय. रोगी के कार्यो में खर्च होगा.

कन्या : इस सप्ताह आप अत्याधिक खर्च से चिंतित रह सकते हैं, इसके बाद भी आप अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में क्रियाशील बने रहेंगे, आपको अधिनस्थ की उपेक्षा का शिकार होना पड़ेगा, दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी, नये लोगों से मेलजोल बढ़ेगा. भूमि भवन प्रापर्टी में खर्च होगा, नये कार्यो पर विचारहोगा. इसके लिये किसी का सहयोग या बैंक से लोन लेना पड़ सकता है.

तुला : इस सप्ताह आपकी जानपहचान और परिचित का दायरा बढ़ेगा. अच्छा हो आप सामाजिक कार्यो की उपयोगिता को ध्यान में रखकर कार्य करें, आप भविष्य की योजनाओं को बना सकते हैं. पैतृक संपत्ति को बेचकर अपना हिस्सा ले सकते हैं, आप अपने निकट परिजनों के साथ दूर की यात्रा कर सकते हैं. आप वित्तीय मामलों में किसी का सहयोग लेंगे, जो उल्लेखनीय रहेगा.

वृश्चिक : इस सप्ताह हंसी खुशी का वातावरण रहेगा, आपकी आंतरिक उर्जा चरम सीमा पर रहेगी, आप जीवन सुखमयपूर्वक व्यतीत करेंगे, आपकी नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है,पेशेवर लोगों को वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा. कारोबारी यात्राओं की अधिकता रहेगी, जल्द ही किसी बड़ी योजना को हाल में ले जा सकते हैं.

धनु : यह सप्ताह इच्छा कामना और आकांक्षाओं का रहेगा, अपने कार्यो के प्रति आप आशावादी बने रहेंगे, कई उतार चढ़ाव आयेंगे, व्यवसायिक फैसला लेने से पहले आप हर पहलू पर विचार करेंगे. घर परिवार में सुख शांति रहेगी. पारिवारिक कार्यक्रमों में धन खर्च होगा. संबंधों के विस्तार पर ध्यान जा सकता है, और लोग प्रसन्न होकर आपसे मिलेंगे.

मकर : इस सप्ताह आप मुश्किलों का डटकर मुकाबला करेंगे, नौकरी पेशा लोग अपने पद और आमदनी से संतुष्ट रहेंगे, यदि आप रचनात्मक क्षेत्र में हैं, तो और धन की प्राप्ति होगी. जीवन साथी के साथ आप धार्मिक यात्रा में जा सकते हैं, जमिथुन जायजाद से जुड़े मुकदमें में फैसला आपके पक्ष में होगा, अति आत्म विश्वास से कोई फैसला न लें.

कुंभ : इस सप्ताह आप जीवन के नये आयाम छुयेंगे, अपनी मेहनत और लगन के बल पर आप अपनी स्थिति में सुधार करने में सफल रहेंगे, कार्यक्षेत्र मेंआप क्रियाशील रहेंगे. खुले मन मस्तिष्क से समस्या का हल निकालेंगे, आप किसी नये अनुबंध में शामिल हो सकते हैं, जिससे मान सम्मान में प्रगति होगी. आप जिस पर भरोसा करते हैं, वही आपकी जड़ खोदने का प्रयास करेगा.

मीन : इस सप्ताह स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने की आशा है, उधार लेनेदेन से बचने का प्रयास करें, जल्दबाजी में लिये गये निर्णय बदलने पड़ सकते हैं, आयात निर्यात का प्रस्ताव मिलेगा, कामकाजी महिलाओं कोपरेशानी होगी. साझेदारी मेंसंदेह आ जाने के कारण चल रहा कार्य बीच में ही छोड़ना पड़ सकता है, सावधानी बांछनीय, बिना मांगे सलाह देना नुकसानदायक हो सकता है.